The Wicked Raven

Tale from Hitopdesha

दुष्ट कौवा

हितोपदेश की कथा

The Wicked Raven

Tale from Hitopdesha

दुष्ट कौवा

हितोपदेश की कथा
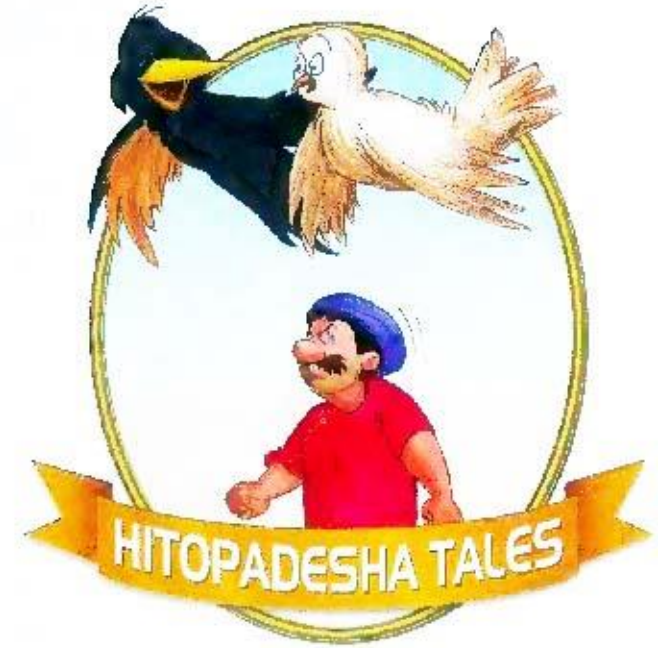
Once upon a time there lived a pigeon and a raven, who were friends. They lived in a huge banyan tree on the outskirts of a village in southern India.

It was winter, the two birds were hungry and could not find any food.

एक समय की बात है, एक कबूतर और एक कौवा दो दोस्त एक साथ रहते थे. वे दक्षिणी भारत के एक गाँव के बाहरी इलाके में एक विशाल बरगद के पेड़ पर रहते थे.

सर्दी का मौसम था, दोनों पक्षी भूखे थे और उन्हें कहीं भी भोजन नहीं मिल रहा था.
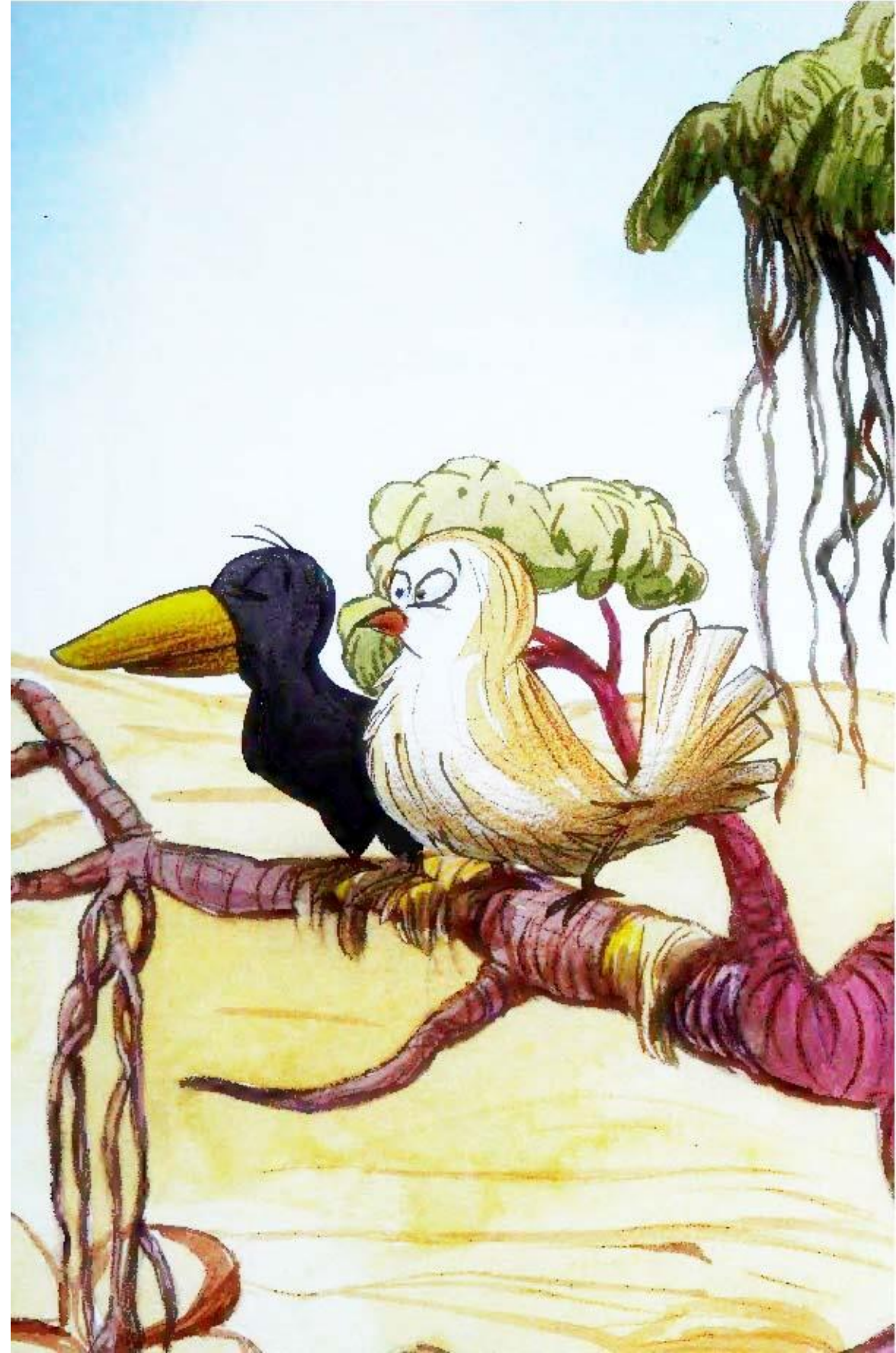
One day, the raven said, "Friend, let us go to the next village. I'm sure we will get food there."

The pigeon agreed and so the next morning, the two friends set off on their journey.

एक दिन, कौवे ने कहा, "मित्र, चलो हम लोग दूसरे गाँव चलते हैं. मुझे यकीन है कि हमें वहाँ भोजन ज़रूर मिलेगा."

कबूतर सहमत हो गया और अगली सुबह, दोनों दोस्त अपनी यात्रा पर निकल पड़े.

On their way, they saw a man carrying a pot full of fresh thick curd to sell in the market

Their mouths watered and they wished they could have some of it and so they followed the man. After a while the man stopped to rest under a tree.

रास्ते में उन्होंने देखा कि एक आदमी ताज़े गाढ़े दही से भरा एक बर्तन बाजार में बेचने के लिए ले जा रहा था.

उनके मुँह में पानी आ गया और उन्होंने सोचा कि शायद उन्हें उसमें से कुछ दही मिल जाए. इसलिए वे उस आदमी के पीछे-पीछे गए. थोड़ी देर बाद वो आदमी एक पेड़ के नीचे आराम करने के लिए रुका.
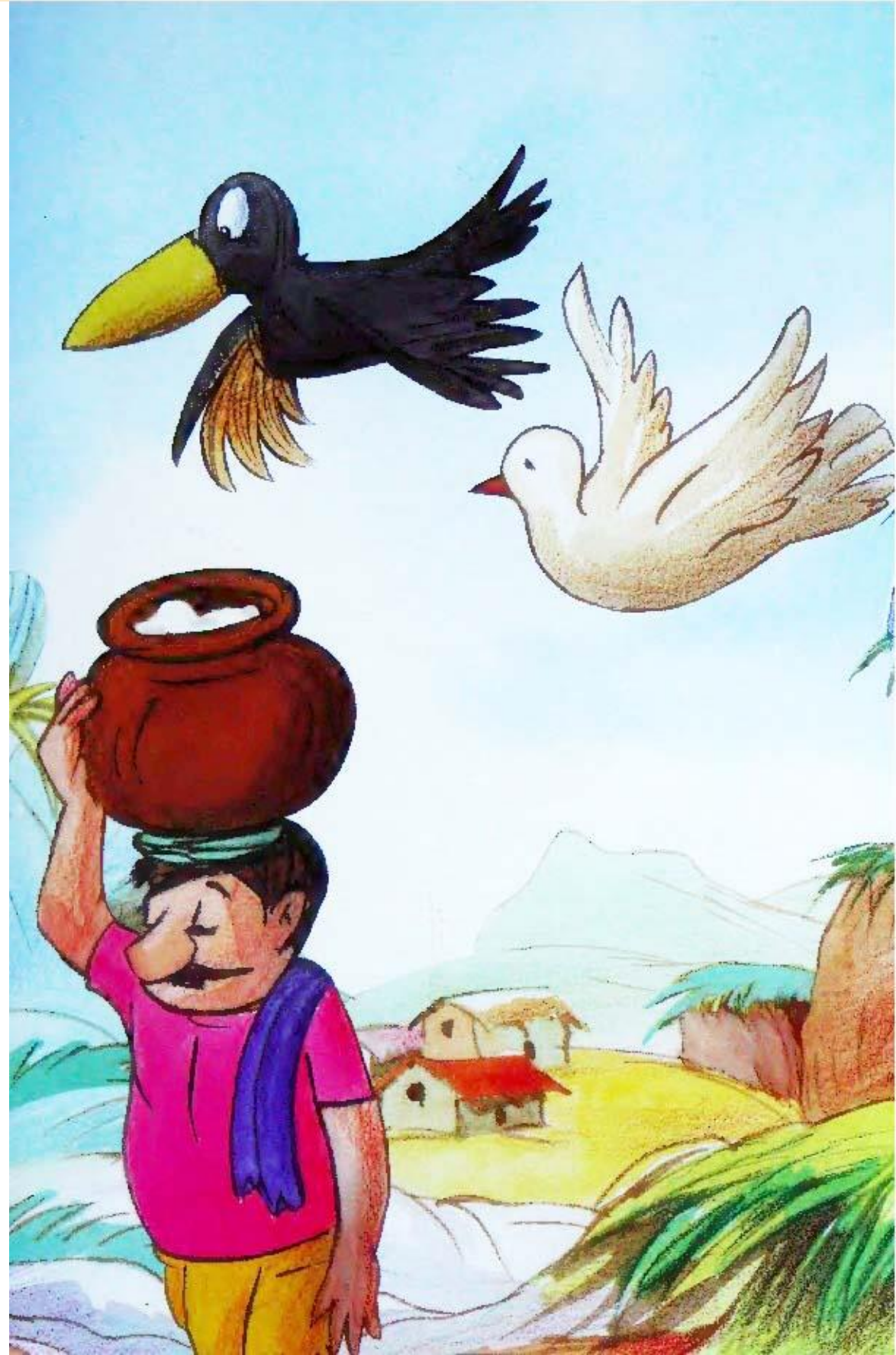
He put his pot down and lay down beside it. The raven and the pigeon were also tired and so they sat on a nearby tree.

The raven looked at the curd and said, "Friend, this is our chance. We must eat some curd now."

उसने अपना बर्तन नीचे रखा और उसके पास ही लेट गया. कौआ और कबूतर भी थक गए थे इसलिए वे पास के एक पेड़ पर बैठ गए.

कौवे ने दही को देखा और कहा, "मित्र, यह हमारे लिए एक अच्छा मौका है. हमें अब थोड़ा दही खाना चाहिए."

The pigeon said, "How can we do that friend?"

The raven laughed and said, "Its easy! Just watch me.”

He then swooped down to the pot, filled his beak with curd and flew up again. He loved the taste of the fresh curd and so swooped down again and again.

कबूतर ने कहा, “हम ऐसा कैसे कर सकते हैं मित्र?”

कौवा हँसा और बोला, "यह आसान है! तुम बस मुझे देखो."

फिर कौवा बर्तन की ओर झपट्टा मारा, उसने अपनी चोंच में दही भरा और फिर ऊपर उड़ गया. उसे ताज़े दही का स्वाद बहुत पसंद आया. इसलिए कौवा बार-बार दही खाता रहा.
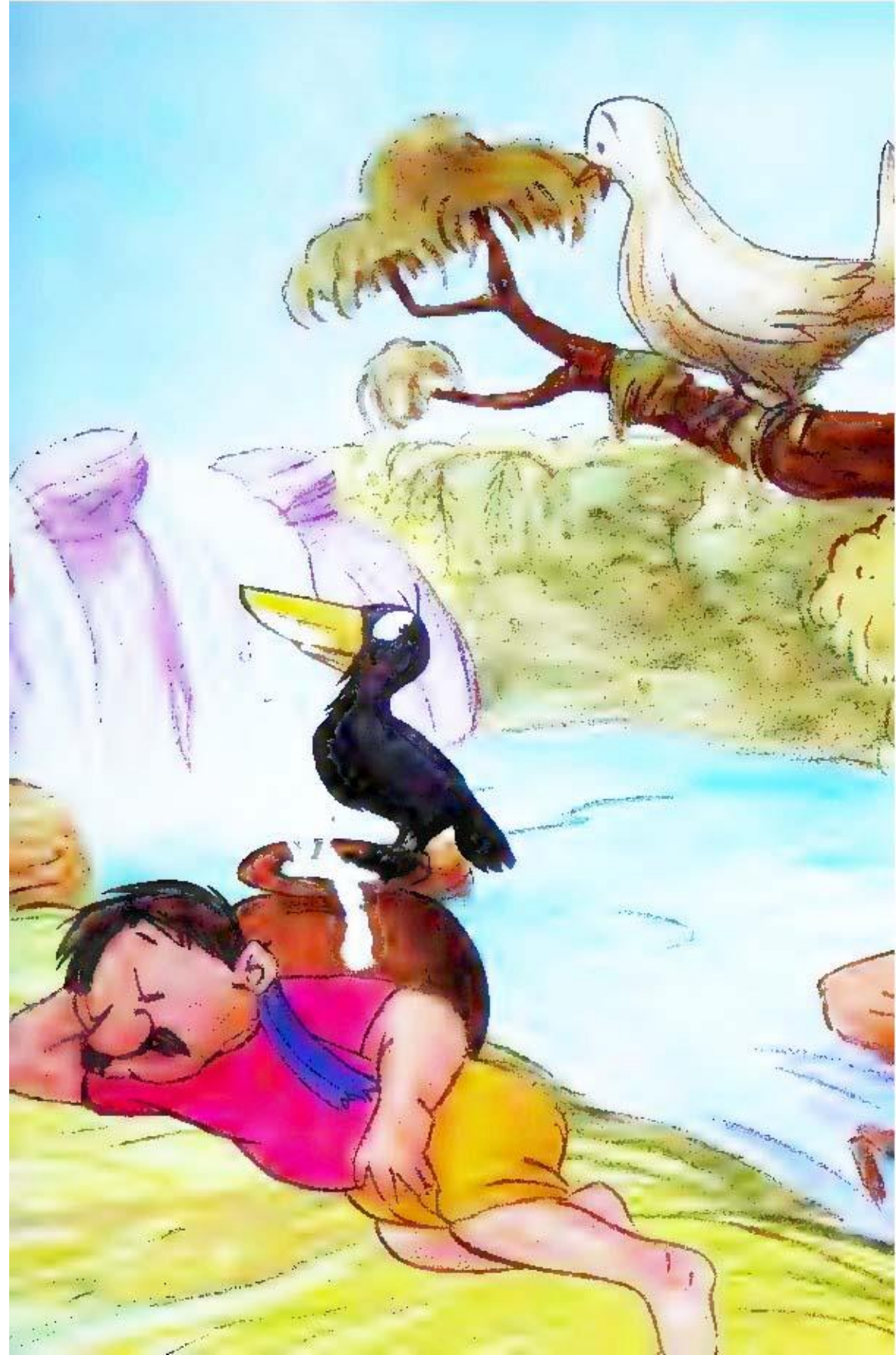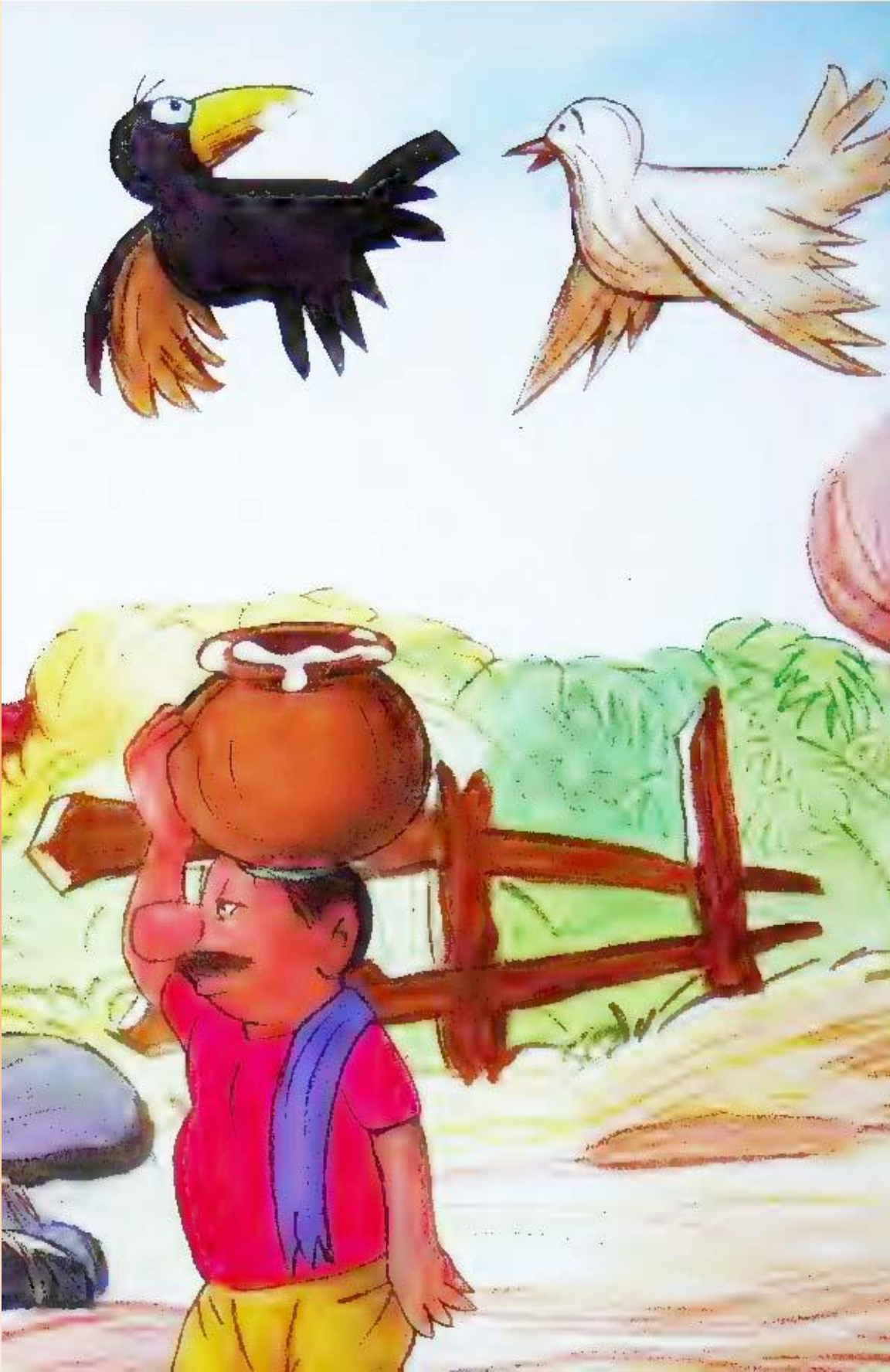
Soon, the man woke up and resumed his journey.

The pigeon said, "Don't try taking any more curd friend, or you will be in trouble."

जल्द ही, वो आदमी जाग गया और अपनी यात्रा फिर से शुरू की.

कबूतर ने कौवे से कहा, “और अधिक दही लेने की कोशिश मत करना मित्र, नहीं तो तुम मुसीबत में पड़ जाओगे.”

The raven laughed and said, "Trouble! You are only saying that because you haven't been able to taste the curd! Go on try it! You won't be able to stop eating it either.”

कौवे ने हँसते हुए कहा, "मुसीबत! तुम ऐसा केवल इसलिए कह रहे हो क्योंकि तुम दही का स्वाद नहीं चख पाए हो! उसे एक बार जरूर चखो! फिर तुम उसका स्वाद कभी नहीं भूल पाओगे."

"No thank you friend. You've had enough and it's wrong to steal," said the pigeon.

"Ha! You're just a wimp. The man can't even see me as I'm flying above him!" said the raven.

कबूतर ने कहा, "नहीं, धन्यवाद दोस्त. तुम पहले ही बहुत दही खा चुके हो और चोरी करना ग़लत बात है."

"देखो तुम एकदम मूर्ख हो. वो आदमी मुझे देख भी नहीं सकता है क्योंकि मैं उसके ऊपर उड़ता हूँ!" कौवे ने कहा.

So, the raven did not heed the pigeon's warnings and continued to eat the curd.

Soon the man reached the market. He put the pot down and was shocked to find the pot half empty!

इसलिए, कौवे ने कबूतर की चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया और दही खाना जारी रखा.

जल्द ही वो आदमी बाज़ार पहुँचा. उसने बर्तन नीचे रखा और वो यह देखकर हैरान हुआ कि उसके दही का बर्तन आधा खाली था!
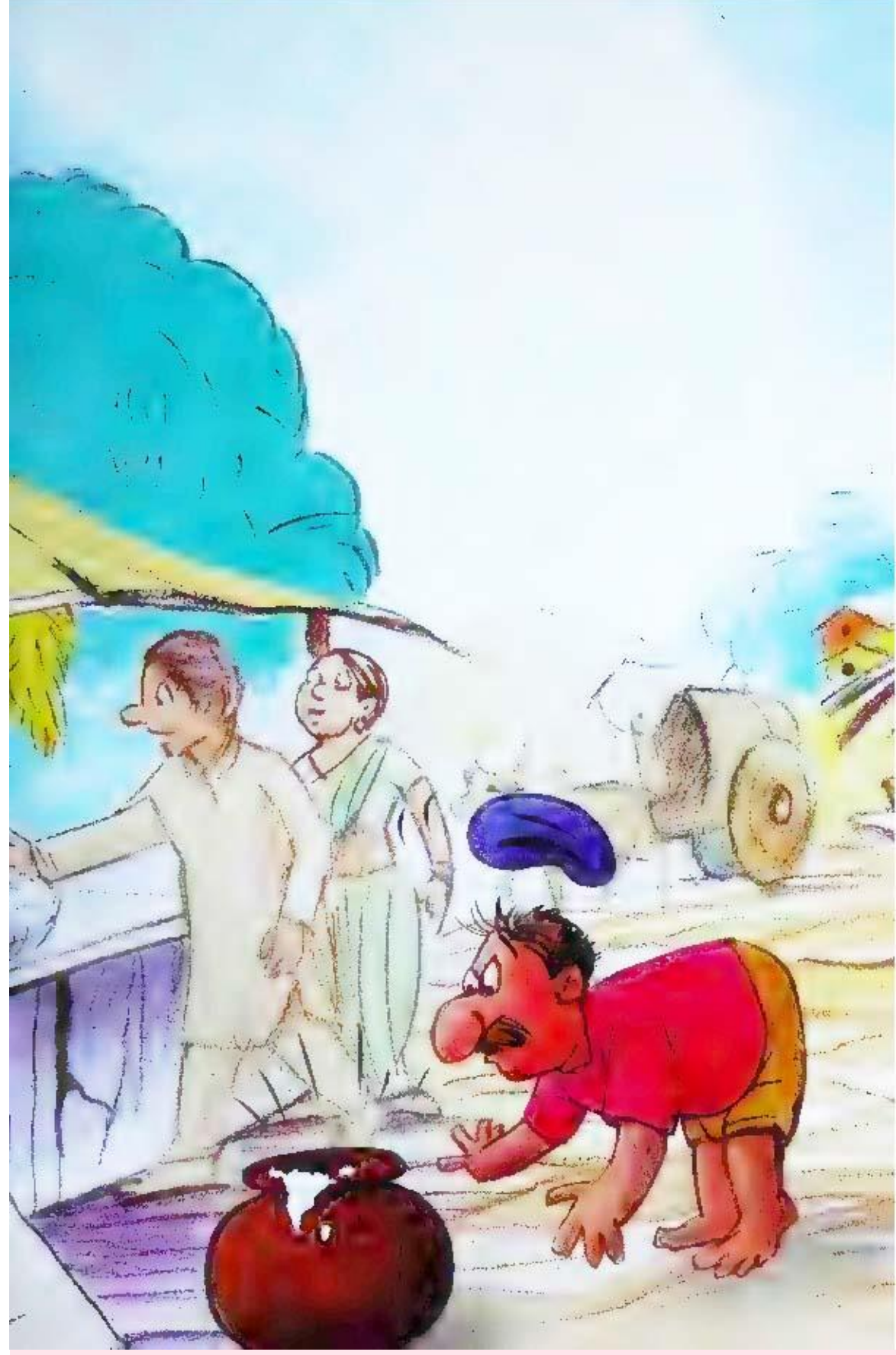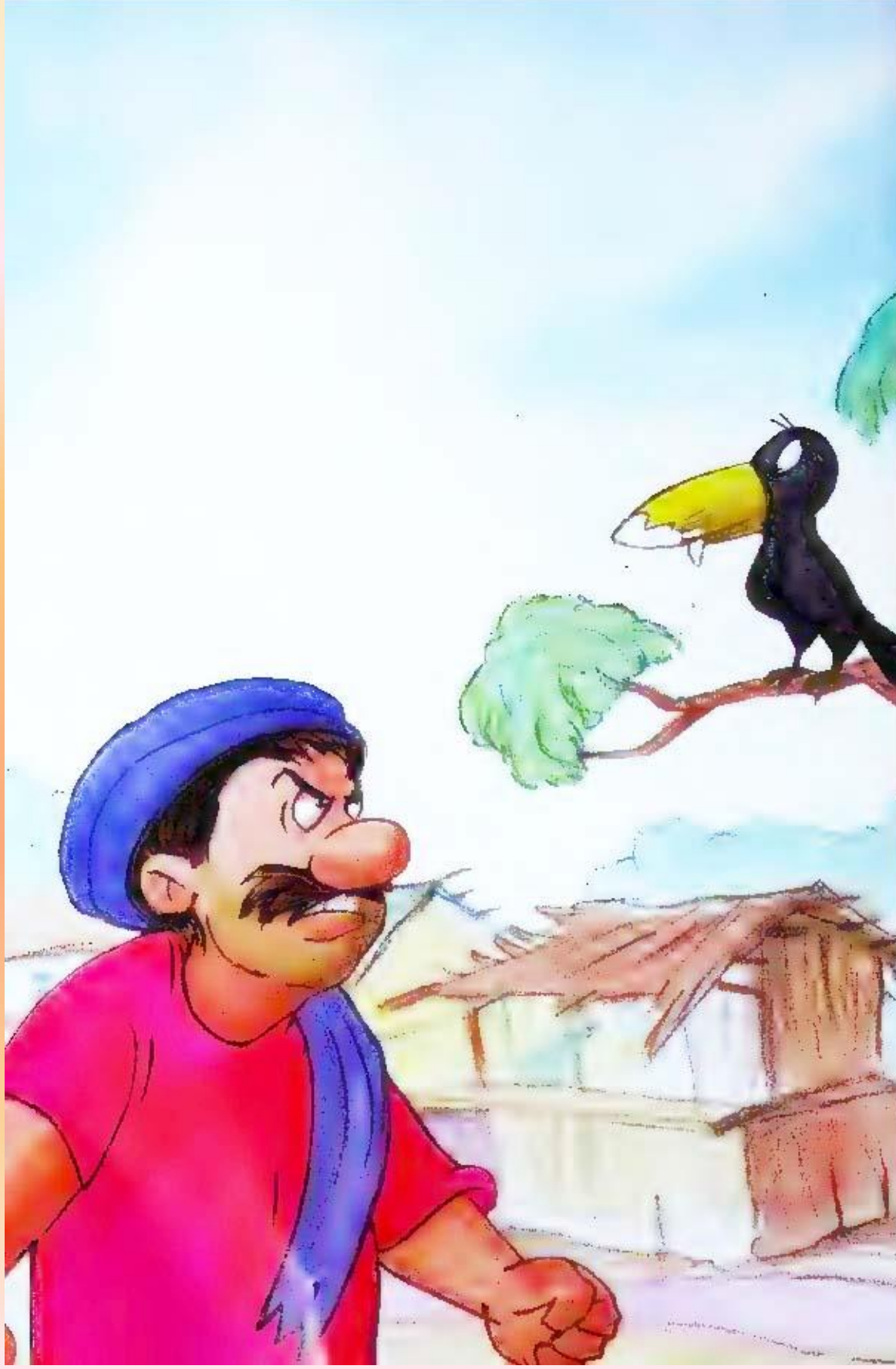
He looked around to see who had stolen his curd and saw the raven with his beak white with curd.

The man shouted, "You wicked raven, I'll get you for stealing my curd!"

उसने इधर-उधर देखा कि उसका दही किसने चुराया था और तभी उसने एक कौवे को देखा जिसकी चोंच दही से सफेद थी.

वो आदमी चिल्लाया, "अरे दुष्ट कौवे, मैं तुझे दही चुराने के लिए ज़रूर सजा दूंगा!"

He picked up a big stone and flung it at the raven. The raven dodged the stone but the pigeon could not get away in time.

It hit the poor pigeon and he fell to the ground and was badly injured.

फिर उस आदमी ने एक बड़ा पत्थर उठाया और कौवे पर मारा. कौवा तो पत्थर से बच गया लेकिन कबूतर समय रहते नहीं उड़ पाया.

पत्थर बेचारे कबूतर को लगा और वो जमीन पर गिर गया और बुरी तरह घायल हो गया.

The raven flew away not bothering to help his friend.

The poor pigeon lay in pain and said, "If only I had realized that having friends who are wicked is as harmful as being wicked oneself!"

कौवा अपने दोस्त की मदद करने की परवाह किए बिना ही वहां से उड़ गया.

बेचारा कबूतर दर्द से कराहते हुए बोला, "काश मुझे यह एहसास होता कि दुष्ट मित्रों की दोस्ती खुद के लिए भी हानिकारक हो सकती है!"

End